

Cannon-Bard Theory

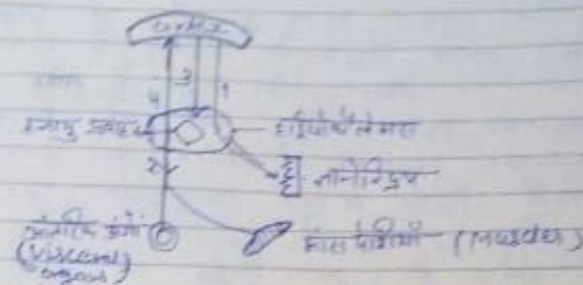
संवेग के शारीरिक सिद्धांतों में केनन तथा बार्ड द्वारा प्रतिपादित सिद्धांत अत्यंत महत्व पूर्ण है। यह सिद्धांत वास्तव में संवेग के जेम्स-लांग सिद्धांत के विरोध में विकसित हुआ है। जेम्स-लांग सिद्धांत में संवेग का आधार Autonomic Nervous system विशेष कर उसके सहानुभूतिक स्नायु तंत्र (Sympathetic system) को संवेग का आधार माना और कहा कि संवेगी उत्तेजन से जब सहानुभूतिक तंत्र उत्तेजित हो जाता है तो मिला-र प्रकार के शारीरिक परिवर्तन होते हैं जिसकी चेतना ही संवेग है। इस सिद्धांत को इतर मान्यता यह है कि संवेग में पहले संवेगात्मक व्यवहार होता है और तब संवेगात्मक अनुभूति।

केनन तथा बार्ड ने जेम्स-लांग सिद्धांत को इन दोनो मान्यताओं का विरोध किया और यह कहा कि

(a) संवेग का केन्द्र ANS नहीं बल्कि Hypothalamus है, जहाँ संवेग का संचालन करता है।

(b) संवेग में संवेगात्मक अनुभूति और संवेगात्मक व्यवहार दोनों साथ-साथ घटित होता है। इनमें से कोई न तो किसी प्रकार का कारण है और न परिणाम।

यूँकि यह सिद्धांत Hypothalamus को संवेग का संचालन केन्द्र मानता है, इसलिए इस सिद्धांत को Hypothalamo-misc. theory भी कहते हैं। इस theory के अनुसार जब कोई ग्राहक (receptor) जैसे - आँसू या कान आदि किसी संवेगात्मक उत्तेजना से उत्तेजित होता है तो उसमें स्नायु-आवेग (Nerve-impulse) उत्पन्न होता है जो ज्ञानवाही स्नायु (sensory nerves) के द्वारा सर्वप्रथम Hypothalamus में पहुँचता है, Hypothalamus इस आवेग को दो भागों में विकसित कर देता है। तब एक भाग आंतरिक अंगों (visceral organs) प्रवाहित होता है और दूसरा भाग cortex (कोर्टेक्स) में एक ही समय में पहुँचता है। आंतरिक अंगों में स्नायुप्रवाह के पहुँचने पर अनेक प्रकार के शारीरिक परिवर्तन होने लगते हैं और उच्च cortex में पहुँचने पर संवेगात्मक अनुभूति होती है और इस प्रकार शारीरिक परिवर्तन तथा संवेगात्मक अनुभूति दोनों



चित्र में संकेतों के क्रम को देखीया गया है -

- (1) उत्तेजन से उत्पन्न जनिविक स्नायु आवेग cortex में जाते समय भागी - 1 से पहले hypothalamus में जाता है।
- (2) cortex में जाते समय यह स्नायु - प्रवाह hypothalamus में एक विशिष्ट प्रकार का आवेग या स्नायु उत्पन्न होता है।
- (3) Hypothalamus में उत्पन्न आवेग दो भागों में बँट जाता है जिसका एक भाग भागी - 4 से cortex में और भागी - 2 से अंतराप्रभाव एवं मांस - पेशीयों की ओर प्रवाहित होता है।
- (4) भागी - 3 से cortex में उत्पन्न गतिवाह आवेग (Motor nerve impulse) Hypothalamus में पहुँचता है, जिले Hypothalamus की क्रियाओं पर cortex का अवरोधक प्रभाव घट जाता है।

Cannon (1927) - Baral (1934, 1950) theory प्रयोगात्मक प्रमाणी पर आधारित है। - Cannon (1927) ने एक बिल्ली पर प्रयोग किया। जब बिल्ली के सहानुभूतिक स्नायु (sympathetic nerve) को नष्ट कर दिया गया, फिर भी कुत्ते को देखकर बिल्ली ने क्रोध तथा भय का संवेग प्रदर्शित किया, लेकिन Hypothalamus को नष्ट कर दिया गया। तब बिल्ली ने क्रोध तथा भय किल्ली तरह का संवेग को प्रदर्शित नहीं किया। इस प्रकार यह सिद्ध होता है कि संवेग का केन्द्र या आधार वास्तव में Hypothalamus है, सहानुभूतिक स्नायु मंडल (sympathetic nerve system) नहीं है।

Baral (1934, 1950) ने भी अपने अध्यापन में यह वाचा कि

जहाँ cortex के नष्ट होने में अतिरिक्त संबंधात्मक अनुभूति होती है, वहीं Hypothalamus के नष्ट होने पर संबंधात्मक अनुभूति समाप्त हो जाती है।

सुलभांकन :- इस theory के निम्नांकित गुण हैं -

- (1) यह सिद्धांत इस बात की व्याख्या करने में सक्षम (समर्थ) है कि आंतरिक अंगों एवं cortex के बीच संबंध समाप्त कर देने पर भी संबंधात्मक अनुभूति क्यों होती है। यह सिद्धांत आंतरिक अंगों में होने वाले एक cortex में होने वाली अनुभूति को एक इलेक्ट्रिक संकेत मानता है, अतः दोनों का संबंध विच्छेद हो जाने पर भी संबंधात्मक अनुभव ही सकता है।
- (2) यह सिद्धांत इस बात की व्याख्या करने में भी सक्षम है कि समान शारीरिक परिवर्तन होने पर भी संबंधात्मक अनुभूतियों अलग-अलग क्यों होती हैं। चूंकि इस सिद्धांत के अनुसार शारीरिक परिवर्तन और संबंधात्मक अनुभूतियों एक इलेक्ट्रिक स्वतंत्र प्रक्रियाएँ हैं। इसलिए शारीरिक परिवर्तनों में समानता के बावजूद संबंधात्मक अनुभूतियों में भिन्नता होती है।
- (3) यह theory इस बात की व्याख्या करने में सक्षम है कि एड्रेसिन (adrenin) की सहायता से परे पर भी शारीरिक परिवर्तन होने पर भी संबंधात्मक अनुभूति क्यों नहीं होती है। ऐसा इसलिए होता है कि संबंधात्मक अनुभूति शारीरिक परिवर्तनों पर आधारित नहीं है।
- (4) शरीरशास्त्रियों तथा मनोपेशानिकों का मानना है कि संबंधात्मक अनुभूतियों के पुनर्स्थापन के एक सेकंड के बाद आंतरिक परिवर्तन होते हैं। अतः संबंधात्मक अनुभूति एक सेकंड के पहले ही हो जाती है। यह सिद्धांत इन दोनों प्रक्रियाओं की स्वतंत्र मानता है।
- (5) Stimulation method (उत्तेजन विधि) तथा क्षति-विधि (lesion-method) के उपयोग से भी यह प्रमाणित होता है कि संबंधात्मक अनुभूति की उत्पत्ति में लिम्बिक सिस्टम (limbic system) और शरीर का Hypothalamus का हाथ होता है।
उपर्युक्त गुणों के होते हुए भी आलोचकों ने इस theory के विनाश कई आपत्तियों उठाई हैं और इसकी कई त्रुटियों का वर्णन किया है -

Contingue (समीक्षा)

- (1) Lashley (1929, 1938) ने इस theory की आलोचना करते हुए कहा कि thalamus and hypothalamus में इसी प्रकार की रोग है कि वह संवेगत्मक अनुभूतियों में परिवर्तन ला सके।
- (2) Masserman (1948, 1953) ने कहा कि hypothalamus को क्षुब्ध करने से वह जो संवेगत्मक प्रतिक्रिया देता है, वह मानसिक अटिच्यु (stereotypical) and मिश्रित (diffused) होते हैं और साथ ही आधीनतम प्रकार का होता है। परंतु hypothalamus को खोले गए क्षेत्रों में संवेगत्मक प्रतिक्रिया आता है।
- (3) Knudsen (1949, 1950) ने इस सिद्धांत की आलोचना समीपवर्ति निरूपण and यह क्षेत्र क्षेत्र के अणुविकार करने से संबंधित है। क्षेत्र में उप-सहानुभूति रजतु-संज्ञक, भाग में सहानुभूति रजतु संज्ञक तथा उपेक्षा में उपेक्षा में प्रत्यक्ष उप-सहानुभूति रजतु भाग का साथ शामिल होता है। इस प्रकार यह 1950 में संवेग के क्षेत्रों में परिवर्तन किया।
- (4) Leeper (1953) ने इस सिद्धांत की आलोचना करते हुए कहा कि इस सिद्धांत में संवेग के प्रेरणात्मक पक्ष की ^{अविवेक} अविवेक है।
- (5) Cannon (1927, 1929) ने कहा कि इस सिद्धांत में अनुसारा-
- (6) thalamo-cerebral mechanism (बैजोसिक संयोजन) जो cortex के अवलोकन प्रभाव में मुख्य से प्राप्त है। जो संवेगत्मक अनुभूति, विशेषकर क्षेत्र में अनुभूति होती है। यदि ऐसा होता है तो अवलोकन के क्षेत्रों में cortex के विचार से जाने पर उपेक्षा स्थायी रूप से क्षेत्र की अनुभूति होती रहती पर ऐसा नहीं होता है।
- (6) प्रश्नों के cortex की बात देने के बाद उनके hypothalamus को पूरी तरह से हटाने पर कोई प्रभाव क्षेत्र-प्रतिक्रिया पर नहीं पड़ता है। संवेगत्मक प्रतिक्रियाओं को प्राप्त होती है। यह hypothalamus के विचार तथा उपेक्षा में को हटा दिया जाता है। फिर भी cortex के भी hypothalamus में न तो विशिष्ट संवेदी प्रतिक्रिया होती है और न संवेदी क्षेत्र।
- (7) hypothalamus, cortex और लघु मस्तिष्क (cerebellum) को प्रेरित करने पर क्षेत्र प्रतिक्रियाओं उत्पन्न होती है। परंतु यह माना जाए कि केवल hypothalamus ही संवेग को